एक बार तो आओ राम , दासी की कुटिया में

एक बार तो आओ राम , दासी की कुटिया में - २
कर लो थोड़ा आराम , दासी की कुटिया में - २

तेरे लिए रघुवर , मैं वन में रहती हूँ - २
दुःख दर्द सभी सारे, हसकर के सहती हूँ - २
कब आओगे राघव - २ , दासी की कुटिया में ,
एक बार तो आओ राम , दासी की कुटिया में - २

तेरे दरश को नैन , हर रोज तरसते हैं - २
तेरी याद में रघुवर, हर पल बरसते हैं - २
कब आओगे राघव - २ , दासी की कुटिया में ,
एक बार तो आओ राम , दासी की कुटिया में - २

सारा जीवन बिता , अब सांस बची थोड़ी - २
फिर भी मेने रघुवर , ये आस नहीं छोड़ी - २
एक बार तो आओगे - २ दासी की कुटिया में ,
एक बार तो आओ राम , दासी की कुटिया में - २

Lyrics - Jay Prakash Verma , Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34147/title/ek-baar-to-aao-ram---dasi-ki-kutiya-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |